हंसराज महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय
महात्मा हंसराज मार्ग,
मलकागंज, दिल्ली - 110007
दूरभाष : 011-27667458, 27667747
ई-मेल : principal_hrc@yahoo.com
वेबसाइट : www.hansrajcollege.ac.in

HANS RAJ COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI
Mahatma Hansraj Marg
Malkaganj, Delhi – 110007
Tel.: 011-27667458, 27667747
E-mail: principal_hrc@yahoo.com
Website: www.hansrajcollege.ac.in

NAAC ACCREDITED 'A++' GRADE COLLEGE

रिपोर्ट

गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति तथा हंसराज कॉलेज के तत्वावधान में विकसित भारत का स्वप्न और युवा विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

20-21 फरवरी 2024 को गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति तथा हंसराज कॉलेज के तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया. दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हंसराज कॉलेज के पद्मभूषण ज्ञान प्रलाश चोपड़ा संगोष्ठी कक्ष में आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आर्थिक विशेषज्ञ एवं राजनीतिज्ञ गोपाल कृष्णा अग्रवाल ने कहा कि भारत आज आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक सभी मोर्चों पर तेजी से विकास कर रहा है और आने वाले वर्षों में भारत ग्लोबल लीडर के रूप में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखेगा. उन्होंने यह भी कहा कि इसके लिए वर्तमान नेतृत्व के पास एक स्पष्ट रोडमैप है और उसकी सफलता के लिए आवश्यक समस्त आधारभूत कार्य किए जा चुके है.

वहीं विशिष्ट वक्ता एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के उद्मोदय फाउंडेशन के संयुक्त महानिदेशक डॉ. अभिषेक टंडन ने कहा कि आजादी के आन्दोलन की तरह देश को 2047 तक विकसित बनाने का यह साझा लक्ष्य तभी प्राप्त किया जा सकेगा जब सभी अपने अपने क्षेत्र में विशेष योगदान देंगे और सक्रिय एवं रचनात्मक भूमिका निभाएंगे. आज के युवा भविष्य के नागरिक हैं और विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने का सारा दारोमदार उन्हीं पर टिका है.

इस अवसर पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद ने कहा कि आज अपनी जड़ों से जुड़कर और अपने दायित्वों को समझकर देश के लिए कार्य करने की सबसे बड़ी जरुरत है. उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों का भी यह दायित्व है कि अंतिम जन की सबसे अधिक चिंता करे और उनकी चिंताओं को यथासंभव दूर करे. उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि राष्ट्र निर्माण में वे अपना सक्रिय योगदान दें.

इससे पहले कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा ने कहा कि विकसित भारत का स्वप्न राष्ट्रीय संकल्प के रूप में भारत के जन जन का संकल्प बन गया है और इस दृष्टि से 2047 तक भारत को विकसित बनाने

में यदि किसी की सबसे बड़ी भूमिका है तो वह युवाओं की है. यह संगोष्ठी युवाओं में उसी दायित्वबोध के जागरण के प्रयास का हिस्सा है.

कार्यक्रम के अन्य सत्रों में भी अलग-अलग वक्ताओं ने अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए. लेखक एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी फाउंडेशन में शोध अध्येता बिनय कुमार सिंह ने कहा कि युवाओं को कैम्पस और कैम्पस के बाहर उन लोगों, गतिविधियों और प्रवृत्तियों पर भी नजर रखनी चाहिए जो देशं को खंडित करने के अभियान में लगे हैं. उन्होंने कहा कि भारत के सम्बन्ध में विदेशी मीडिया और देश के कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों के द्वारा भारत विरोधी प्रोपेगैंडा फैलाया जा रहा है, युवाओं को उसकी जद में आने से बचना और बचाना होगा.

इस अवसर पर भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् (विदेश मंत्रालय) की पत्रिका गगनांचल के संपादक रविशंकर ने कहा कि भारत की विकास योजनाएं भारत की परिस्थिति को ध्यान में रख कर बने यह आवश्यक है, पश्चिम का विकास मॉडल भारत के सन्दर्भ में उपयुक्त नहीं हो सकता. भारत के संसाधन, भारत की आवश्यकता और भारत के पारंपरिक ज्ञान और कौशल को आधार बना कर ही विकास का मॉडल बनाना होगा. अतीत में हुई गलतियों से सीखकर वर्तमान में विकास की परिकल्पना की दिशा को दुरुस्त करने से सही मायने में भारत को विकसित करने के संकल्प को प्राप्त करना कहीं अधिक सार्थक होगा.

इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार मंजीत ठाकुर ने कहा कि युवाओं को चाहिए कि वे बुजुर्गों के अनुभव का लाभ उठाकर विकास की प्रक्रिया में अपना योगदान सुनिश्चित करे. उन्होंने यह भी कहा कि आर्थिक विकास के साथ ही सामाजिक विकास और अपनी भाषा आदि के उन्नयन की ओर भी ध्यान देना होगा.

संगोष्ठी के समापन सत्र में भारतीय जन संचार संस्थान के प्रो. राकेश कुमार उपाध्याय ने कहा कि भारत युवा देश है, यहाँ सबसे अधिक युवा हैं और देश को विकसित बनाने के स्वप्न को साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे बड़ी होने जा रही है. उन्होंने कहा कि आज देश को भरोसा है कि भारत बहुत तेजी से विकास के शिखर की बढ़ रहा है, और भारत के ऐसे प्रदेशों और क्षेत्रों का विकास भी होने लगा जहाँ अब तक सही ढंग से विकास नहीं हो पाया था. हम निरंतर सभी मोर्चों पर आत्मनिर्भर

होने की दिशा में बढ़ रहे हैं और भारत का चित्र और चरित्र निखरने लगा है. निश्चित रूप से हम 2047 से पहले ही विकसित हो जाएंगे.

दो दिवसीय उक्त संगोष्ठी में डेढ़ सौ से भी अधिक विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों ने सक्रिय सहभागिता की. कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विजय कुमार मिश्र से समापन सत्र में संगोष्ठी से सम्बंधित रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ ही सभी आमंत्रित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया.

हंसराज महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय
महात्मा हंसराज मार्ग,
मलकागंज, दिल्ली - 110007
दूरभाष : 011-27667458, 27667747
ई-मेल : principal_hrc@yahoo.com
वेबसाइट : www.hansrajcollege.ac.in

HANS RAJ COLLEGE

UNIVERSITY OF DELHI
Mahatma Hansraj Marg
Malkaganj, Delhi – 110007
Tel.: 011-27667458, 27667747
E-mail: principal_hrc@yahoo.com
Website: www.hansrajcollege.ac.in

NAAC ACCREDITED 'A++' GRADE COLLEGE